राजस्थान पत्रिका

सुरक्षा और रिटर्न साथ-साथ...

जीवन बीमा है फाइनेंशियल प्लानिंग का जरूरी हिस्सा

प्रदीप पांडेय
फ्यूचर जेनेरली

लगातार बढ़ती महंगाई और बदलती जीवनशैली के चलते कम उम्र से फाइनेंशियल प्लानिंग जरूरी हो गई है। फाइनेंस प्लानिंग जिंदगी के विभिन्न पड़ावों पर आने वाली जरूरतों को देखते हुए करनी चाहिए। इसमें सेविंग्स और वेल्थ क्रिएशन के साथ-साथ सुरक्षा का सही संयोजन जरूरी है।

...इसलिए नहीं करवाते लाइफ इंश्योरेंस

लाइफ इंश्योरेंस को लेकर लोगों में अभी भी पर्याप्त जागरूकता नहीं हैं। लोग किसी भी तरह की अनहोनी की स्थिति में उनके प्रति आश्रित लोगों पर आने वाली संभावित मुसीबतों के बारे में नहीं सोचते। दुनियाभर में ज्यादातर लोग इंश्योरेंस नहीं करवाने के पीछे दो बहाने ढूंढते हैं। पहला, वे इन्हें उलझा हुआ मानते हैं और दूसरा, वे मानते हैं कि अभी उनके पास काफी समय है। असलें दिक्कत जानकारी और चयन को लेकर है। इंश्योरेंस सुरक्षा के साथ रिटर्न का भी अच्छा माध्यम है।

...ऐसे काम आएगा इंश्योरेंस

आपकी अनुपस्थिति में बच्चों की पढ़ाई या शादी, लोन का प्रीमियम, आदि में इंश्योरेंस बेहद अहम हो जाता है। इसके अलावा इंश्योरेंस टैक्स सेविंग और वेल्थ क्रिएशन का भी अच्छा टूल है।

यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस से हायर रिटर्न

कम उम्र में टर्म प्लान लेना अफोर्डेबल रहता है। वहीं अगर आप इंश्योरेंस के साथ-साथ ऊंचे रिटर्न भी चाहते हैं तो यूनिट लिंक्ड प्लान लेना बेहतर है, हालांकि इसमें मार्केट रिस्क भी होता है। कुछ ऐसे एजुकेशन प्लान भी हैं, जो अवांछित परिस्थितियों में आपके बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने देंगे।

निवेश को लेकर हमारी उलझनें

अधिकांश लोग इस बात को लेकर ज्यादा स्पष्ट नहीं होते हैं कितना पैसा कहां निवेश किया जाए? स्टॉक्स, रियल एस्टेट आदि में से किस विकल्प में कितना निवेश रिटर्न के लिहाज से सही रहेगा। लाइफ इंश्योरेंस निवेश का अच्छा विकल्प है। यह काफी सिंपल, अफोर्डेबल और जिंदगी के कई अहम पहलुओं पर काम आने वाला विकल्प है। इसके लिए एक बेहद प्रचलित तरीका है, आपकी सालाना आय को 20 से गुना पूंजी जुटाने के लिहाज से प्लानिंग करें।